the 5 Sanitary Land Fill Sites, which are expected to last from one year to ten years depending on the site.

Delhi Development Authority has informed that in the MPD—2001 (Master Plan Document), 7 sites for Sanitary Fill have been identified in order to handle the larger volume of solid waste by the year 2001. Wastes from Vegetable Fruit Markets are proposed mainly to be handled in the existing 2 Compost Plants. Hospital wastes are proposed to be handled by way of incineartion.

According to the report of the Sub-Group on Urban Municipal Waste Management appointed by the Ministry of Environment & Forests, the following is the position of garbage disposal in four other metropolitan cities:—

S. No.	City	Cartage collected in Metri Tonnes	Position of Disposal
1	Bombay	3000 to 3200	All solid Waste disposed of in land-sites.
2	Madras	2200	Dumping in landfill sites.
3	Bangalore	1800	Landfill sites; 200 tonnes in semi-mechani, col compost plant.
4	Ahmedabad ..	1200	Sanitary Landfill.

कृषि उत्पादों के मूल्यों का कृषि आदाम के मूल्य सूचकांक के साथा जोड़ा जाना

*243. **चौधरी हरि सिंह :**
श्री अजीत जोगी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार राज सहायता में की गई कटौती के कारण उर्वरकों आदि पर पड़ाने वाले संभावित प्रभावों को दूर करने के लिए कृषि उत्पादों के मूल्यो को कृषि उत्पादों के मूल्य सूचकांक के साथ जोड़ने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस निर्णय को कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है ?

कृषि मंत्री (श्री बलराम जाखड़) :

(क) से (ग) सरकार विभिन्न कृषि जिंसों के लिये समर्थन मूल्य का निर्णय कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों, राज्य सरकारों, संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों के विचारों आदि को ध्यान में रखते हुए करती है।

मूल्य नीति संबंधी सिफारिशों तैयार करते समय कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन की लागत, आदानों के मूल्यों में परिवर्तनों, निवेश-उत्पादन मूल्य की समतुल्यता, मांग और आपूर्ति, चुकता और प्राप्त मूल्यों के बीच समतुल्यता जैसे अनेक महत्वपूर्ण कारकों पर विचार करता है।

खेती/उत्पादन की लागत में सभी प्रकार की चुकता लागतें शामिल हैं, जैसे मानव श्रम के रूप में मजदूरों पर किए गये सभी खर्च, बैलों का श्रम/मशीन का कार्य (अपने स्वाभित्व वाले तथा किराये पर लिये गये दोनों), पट्टे पर ली गई भूमि के लिए दिया गया किराया, और इसके अलावा, बीज, उर्वरकों, खाद, कृमिनाशी दवाइयां, सिचाई शुल्क, आदि जैसे सामग्री आदानों के उपयोग पर नकद तथा सामग्री के रूप में किए गये खर्च/उत्पादन लागत में पारिवारिक श्रम का आकलित मूल्य और कृषि मशीनरी एवं भवनों का मूल्य ह्रास भी शामिल है।

बृहत योजना के अंतर्गत तैयार किए जाने वाले उत्पादन लागत के अनुमान कुछ समय के बाद उपलब्ध होते हैं। इसलिए, आयोग द्वारा विभिन्न आदान मूल्य में परिवर्तन के लिये इन अनुमानों

को अद्यतन किया जाता है। उर्वरकों के मामले में, उनके लागू मूल्यों में होने वाले किसी भी परिवर्तन को आयोग द्वारा विधिवत् हिसाब में लिया जाता है। आयोग अनुमान तैयार करने के बाद अन्य कृषि आदानों के मूल्यों में होने वाले परिवर्तनों को भी विधिवत् हिसाब में लेता है।

Navodaya Vidyalayas in M.P.

*244. SHRI SURSH PACHOURI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the details of districts in Madhya Pradesh where Navodaya Vidyalayas have been opened and those which have been left out;

(b) the reasons for not opening Navodaya Vidyalayas in the remaining districts of the State; and

(c) by when Government propose to open Navodaya Vidyalayas in all the Districts of Madhya Pradesh?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) A statement of 30 Navodaya Vidyalayas functioning in the State of Madhya Pradesh is laid on the table of the House. (*See* below). In addition to these 9 more Navodaya Vidyalayas have been sanctioned during 1992-93. Thus 6 districts remain.

(b) and (c) Navodaya Vidyalayas are being set up in a phased manner. The Government aims, at present, to set up one Navodaya Vidyalaya, on an average, in each district of the country if possible during the next three years, subject to availability of resources and receipt of suitable proposals from the State Govt.

Navodaya Vidyalayas functioning and sanctioned in Madhya Pradesh

Statement

Sr. No.	Districts
(a)	*Functioning*
1.	Jhabua
2.	Tikamgarh
3.	Hoshangabad
4.	Jabalpur
5.	Raipur
6.	Panna
7.	Narsingpur
8.	Shivpuri
9.	Shahdol
10.	Indore
11.	Dewas
12.	Sagar
13.	Sidhi
14.	Rajnandgaon
V5.	Domoh
16.	Mandsaur
17.	Bhind
18.	Bilaspur
19.	Seoni
20.	Durg
21.	Sehore
22.	Khargone
23.	Rajgarh
24.	Guna
25.	Datia
26.	Morena
27.	Chattarpur
28.	Dhar
29.	Ratlam
30.	Raisen
(b)	*Santioned for* 1992-93
31.	Sarguja
32.	Satna
33.	Chindwara
34.	Raigarh (Karsia)
35.	Bastar
36.	Ujjain
37.	Vidisha
38.	Mandia
39.	Khandwa
(c)	*Remainning Districts*
1.	Balaghat
2.	Betul
3.	Gwalior
4.	Shajapur
5.	Bhopal
6.	Rewa